

3/1/23

पत्रावली पेशा हुई। वाकुसाय उपस्थित  
पत्रावली में मूलवाक्य स्वार्थित हो  
चुका है। इसलिये इस प्रार्थना  
पत्र को आगे चलाया जाना कोई  
औचित्य नहीं है। यह प्रार्थना पत्र  
इसी स्तर पर स्वार्थित किया जाता  
है। पत्रावली नम्बर से कम होकर  
कारखाने के फतर हो।

